युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
MINISTRY OF
YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
GOVERNMENT OF INDIA

तीसरा संस्करण

युवा समाचार पत्र

BRICS
INDIA 2026

विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम क्विज़
3 लाख
प्रतिभागी

ब्रिक्स अध्यक्षता 2026
25 प्रतिनिधि | **08** ब्रिक्स राष्ट्र

वीबीवाईएलडी राउंडटेबल
600+
भाग लेने वाले यंग प्रोफेशनल्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
1,323 गतिविधियाँ
86,000+
जुड़े हुए युवा

"जहाँ भी संभव हो, घर से काम करें, एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचें, पेट्रोल और डीज़ल के उपयोग को कम करें, खाने के तेल की खपत को न्यूनतम रखें, गैर-आवश्यक विदेशी यात्राओं से बचें, प्राकृतिक खेती अपनाएँ और भारत में बने उत्पादों को प्राथमिकता देकर वोकल फॉर लोकल बनें। ये एक सशक्त आत्मनिर्भर भारत के लिए हमारे संकल्प हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

इस अंक के अंतर्गत

01	ब्रिक्स	01
02	श्रीनगर चिंतन शिविर: एकीकृत एजेंडा का निर्माण	02
03	राष्ट्रीय परिदृश्य/झलक	03
3.1	विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम	
3.2	नेशन फर्स्ट चैलेंज	
04	मुख्य आकर्षण कार्यक्रम	04 - 06
4.1	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	
4.2	वीबीवाईएलडी युवा पेशेवर राउंडटेबल	
4.3	सूरत में चुनाव ड्यूटी हेतु युवा स्वयंसेवको द्वारा सहयोग	
4.4	वीबीवाईएलडी युवा पेशेवर राउंडटेबल | जयपुर संस्करण	
4.5	प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS)	
05	संडे ऑन साइकिल	07
06	युवा की आवाज़	07
07	सुर्खियों में युवा क्लब	08
08	जिला युवा अधिकारियो की सक्रिय पहलें	08
09	झलकियाँ	09
10	युवा कौशल विकास	10
11	युवा मंच/परिसर	11-12

ब्रिक्स युवा उद्यमिता कार्य समूह बैठक 2026

20-21 मई 2026 | इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के अंतर्गत **20-21 मई 2026** को **इंदौर, मध्य प्रदेश** में **ब्रिक्स युवा उद्यमिता कार्य समूह बैठक** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रिक्स देशों के युवा नेताओं, उद्यमियों, नवप्रवर्तकों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना था।

- ब्राज़ील, चीन, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस और दक्षिण अफ्रीका सहित 8 ब्रिक्स देशों के 25 प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया
- युवा-नेतृत्व वाले स्टार्टअप, नवाचार और सतत उद्यमिता के क्षेत्र में सहयोग को सशक्त बनाया गया
- यह कार्यक्रम विभिन्न देशों के मध्य ज्ञान के आदान-प्रदान, कार्यशालाओं, नेटवर्किंग सत्रों, औद्योगिक भ्रमणों के माध्यम से संपन्न हुआ

राउंड टेबल चर्चा

"स्थानीय नवाचार से वैश्विक प्रभाव तक: युवा-नेतृत्व वाले स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए BRICS सहयोग" विषय पर चर्चा आयोजित की गई।

- चर्चा की अध्यक्षता युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खड़से ने की
- इसमें युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल और युवा कार्यक्रम विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री नितेश कुमार मिश्रा शामिल हुए
- चर्चा का मुख्य फोकस स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार साझेदारी और युवा उद्यमिता सहयोग को मजबूत करना रहा

BRICS सहयोग और नवाचार के माध्यम से वैश्विक युवा उद्यमिता को आगे बढ़ाना

"जब BRICS देश एक साथ मिलकर काम करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं, तब स्थानीय नवाचार वैश्विक प्रभाव पैदा कर सकते हैं।"

श्रीमती रक्षा निखिल खड़से
माननीय राज्य मंत्री,
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

मुख्य पैनल चर्चाएँ

- डिजिटल नवाचार एवं प्रौद्योगिकी-आधारित उद्यमिता
- सामाजिक एवं समावेशी उद्यमिता
- हरित उद्यमिता एवं जलवायु-सकारात्मक व्यापार मॉडल

श्रीनगर चिंतन शिविर: एक समन्वित कार्यसूची

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का उत्तर जोन चिंतन शिविर 24-26 अप्रैल 2026 तक श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (SKICC) में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में **9 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, चंडीगढ़ और लद्दाख - की भागीदारी रही।** केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया एवं राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने विकसित भारत@2047 के विज़न के तहत भारत के युवा एवं खेल पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने संबंधी प्रमुख विचार-विमर्श का नेतृत्व किया।

तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन का मुख्य फोकस निम्नलिखित विषयों पर रहा :

- युवा क्लबों को सशक्त बनाना और जमीनी स्तर पर युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना।
- माय भारत पोर्टल के माध्यम से पहुँच और डिजिटल सहभागिता को मजबूत करना।
- प्रभावी युवा-नेतृत्व वाले विकास के लिए माय भारत और रा.से.यो. के बीच समन्वय स्थापित करना।
- अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों (ELPs) और स्वयंसेवा अवसरों का विस्तार करना।
- नशा मुक्त भारत अभियान और युवा नेतृत्व पहलों को बढ़ावा देना।
- अधिक समावेशन, जिला-स्तरीय समन्वय तथा सरकारी योजनाओं और CSR पहलों के साथ अभिसरण को प्रोत्साहित करना।

> "नए भारत की शक्ति उसके युवाओं में निहित है। हमारा सामूहिक मिशन प्रत्येक युवा मस्तिष्क को सशक्त बनाना और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करना है, ताकि वे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के शिल्पकार बन सकें।"

मनसुख मंडाविया
माननीय केंद्रीय मंत्री

🏆 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता (उत्तरी जोन):

विकसित भारत बजट क्वेस्ट क्विज़ 2026:

श्रीमती पूनम शर्मा
राज्य निदेशक (दिल्ली एवं हरियाणा)

श्री निसार अहमद
राज्य निदेशक (जम्मू एवं कश्मीर)

श्रीमती रश्मीत कौर
राज्य निदेशक (पंजाब)

राष्ट्रीय परिदृश्य

विकसित वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम 2026

माय भारत ने विकसित भारत@2047 के अंतर्गत युवाओं को भारत के सीमावर्ती गांवों से जोड़ने के लिए विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के प्रथम संस्करण की शुरुआत की। यह पहल अनुभवात्मक शिक्षण और राष्ट्र निर्माण के अवसरों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने हेतु शुरू की गई। कार्यक्रम की शुरुआत 10–20 मई 2026 के बीच आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता से हुई, जिसमें देशभर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

- **3 लाख** प्रतिभागी
- शीर्ष स्कोरर्स को सीमावर्ती गांवों का भ्रमण करने का अवसर
- 7-दिवसीय सीमावर्ती गांव इमर्शन कार्यक्रम
- सीमावर्ती विकास, नागरिक जिम्मेदारी एवं स्थानीय संस्कृति पर विशेष फोकस
- ग्राम सभा में भागीदारी एवं सामुदायिक जुड़ाव
- सुरक्षा कर्मियों एवं स्थानीय प्रशासन के साथ संवाद
- स्वदेशी, सतत विकास और युवा नेतृत्व को बढ़ावा

अनुभवात्मक शिक्षण और जमीनी स्तर की सहभागिता के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना।

नेशन फर्स्ट चैलेंज

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माय भारत द्वारा शुरू किया गया **नेशन फर्स्ट** चैलेंज एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल अभियान है, जो माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जिम्मेदार और जागरूक जीवनशैली के लिए दिए गए **7 संकल्पों** से प्रेरित है:

- ईंधन की खपत कम करें
- सोने की खरीद सीमित करें
- वर्क-फ्रॉम-होम को अपनाएं
- स्थानीय उत्पादों को अपनाये
- विदेश यात्रा से बचें
- तेल के उपयोग में कमी लाएं
- प्राकृतिक खेती को अपनाएं

यह पहल युवाओं को स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने, ईंधन की खपत कम करने और सतत जीवनशैली अपनाने जैसे सरल जीवनशैली परिवर्तनों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। साथ ही, यह नागरिक उत्तरदायित्व, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की भावना को भी सशक्त बनाती है।

अभी भाग ले नेशन फर्स्ट चैलेंज में !

यहाँ क्लिक करें

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई 2026 को मनाए गए **राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस** के अवसर पर माय भारत ने देशभर में **नवाचार, डिजिटल जागरूकता और राष्ट्र निर्माण में प्रौद्योगिकी की भूमिका** को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों में सेमिनार, कार्यशालाएँ, वेबिनार, क्विज़ प्रतियोगिताएँ, पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ ऑनलाइन सुरक्षा, डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस सेवाओं और साइबर जागरूकता पर आधारित डिजिटल साक्षरता अभियान शामिल थे।
जागरूकता रैलियों, वृक्षारोपण अभियानों तथा स्वच्छता एवं ई-वेस्ट संग्रह अभियानों के माध्यम से युवाओं और समुदायों के बीच **प्रौद्योगिकी के सतत और जिम्मेदार उपयोग** को भी प्रोत्साहित किया गया।

1,323	435	36	86,300+
गतिविधियाँ	जिलों में आयोजन	राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश शामिल	युवा एवं अन्य लोगों की सहभागिता

देशव्यापी युवा भागीदारी के माध्यम से डिजिटल जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा देना।

क्या आप जानते हैं

"एक ही दिन में **250+ जिलों** में आयोजित **ASMITA कार्यक्रमों** में **2 लाख+ महिला एथलीटों** ने भाग लिया, और पूरे देश में कुल **2,600+ लीगों** का आयोजन किया गया।
युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की एक पहल ASMITA, जमीनी स्तर पर भागीदारी, नेतृत्व, फिटनेस और प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों को बढ़ावा देकर खेलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बना रही है, साथ ही भारत की खेल संस्कृति को भी मजबूत कर रही है।"

वीबीवाईएलडी यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल

माय भारत ने ओडिशा प्रोजेक्ट पॉइंट के सहयोग से **वीबीवाईएलडी यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल** के प्रथम संस्करण का आयोजन किया, जिसमें लगभग **200+ युवा नेताओं, पेशेवरों और स्वयंसेवकों ने भाग लिया। "विकसित भारत@2047 के लिए लोकतंत्र और शासन में युवाओं की भूमिका"** विषय पर यह राउंडटेबल **11 मई 2026** को वर्ल्ड युथ सेंटर में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ताओं में रा.से.यो.क्षेत्रीय निदेशक रितिका वर्मा, डॉ. संग्राम केशरी सामंतराय(प्रमुख,ओडिशा प्रोजेक्ट पॉइंट), विपिन कुमार(जिला युवा अधिकारी) और दिवाकर भाटी(जिला युवा अधिकारी) शामिल रहे। चर्चा के प्रमुख विषयों में **लोकतांत्रिक भागीदारी, जवाबदेह शासन, महिला नेतृत्व, जमीनी स्तर की सहभागिता** तथा **विकसित भारत@2047 के लिए युवाओं द्वारा संचालित राष्ट्र निर्माण** शामिल रहे।

सूरत में निर्वाचन ड्यूटी में युवा स्वयंसेवकों का सहयोग

अपने संबद्ध **युवा क्लबों** के माध्यम से माय भारत युवा स्वयंसेवकों को सार्थक अनुभव और प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जुड़ा व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता रहा है। सूरत में द **रिवोल्यूशन यूथ क्लब** के **25 स्वयंसेवकों** ने 24 -26 अप्रैल 2026 के दौरान निर्वाचन ड्यूटी संचालन में सहयोग प्रदान किया, जिससे उन्हें समन्वय, नियंत्रण कक्ष प्रबंधन, टीमवर्क और लोक प्रशासन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस पहल ने युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्रदान किया, साथ ही नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व और नागरिक जागरूकता जैसे गुणों को विकसित करने में भी सहायता की। ये ऐसे **महत्वपूर्ण कौशल हैं, जो सक्रिय राष्ट्र निर्माण और जागरूक नागरिकता के लिए आवश्यक हैं**।

मुख्य आकर्षण कार्यक्रम

वीबीवाईएलडी यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल, जयपुर संस्करण

माय भारत ने 25 मई 2026 को एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, जयपुर में तेरापंथ के सहयोग से **वीबीवाईएलडी यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल श्रृंखला के तीसरे संस्करण** का आयोजन किया। यह राउंडटेबल "**भारत को विश्व की स्टार्टअप राजधानी बनाना**" विषय पर आयोजित किया गया।

350 प्रतिभागियों ने राउंडटेबल में भाग लिया	**330 माय भारत** स्वयंसेवक इस कार्यक्रम में पंजीकृत

पैनलिस्टों में नितिन जैन, संस्थापक, इंडिबनी ग्रुप तथा गौरव शर्मा, सीईओ, ACIC VGU शामिल थे। चर्चाओं का केंद्र **उद्यमिता, स्टार्टअप संस्कृति, सतत विकास, नवाचार, वित्तपोषण के अवसर तथा युवाओं द्वारा संचालित आर्थिक विकास** रहा। इस दौरान रोज़गार प्रदाता तैयार करने, **स्टार्टअप इनक्यूबेशन को सशक्त बनाने तथा विकसित भारत@2047 के अंतर्गत नवाचार-आधारित राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर** दिया गया।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS)

माय भारत ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) के अंतर्गत लक्षित जनसंपर्क गतिविधियों और पंजीकरण एवं आवेदन हेतु जमीनी स्तर पर सहायता के माध्यम से युवाओं की भागीदारी को निरंतर सशक्त बनाया। रुचि और आवेदन के बीच की दूरी को कम करने के लिए **PMIS - माय भारत युवा इंटर्नशिप शिविरों** का आयोजन किया गया, जिससे युवाओं को प्रत्यक्ष वॉक-इन साक्षात्कार और मौके पर ही ऑफर लेटर प्राप्त करने का अवसर मिला।

73,800+ युवाओं	**7,800+ युवाओं**	**970 युवाओं**	**87 ऑफर लेटर**	**212 आवेदन**
युवाओं ने MY भारत के माध्यम से PMIS में रुचि दिखाई	युवाओं ने माय भारत के सहयोग से PMIS पोर्टल पर आवेदन किया	युवाओं ने चेन्नई, पुणे और दंतेवाड़ा में आयोजित इंटर्नशिप शिविरों में भाग लिया	युवाओ को माय भारत के चेन्नई और पुणे शिविरों के माध्यम से जारी किए गए	दंतेवाड़ा से प्राप्त हुए

यह पहल युवाओं को औद्योगिक अनुभव और करियर अवसरों से जोड़ने में माय भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है।

संडेज़ ऑन साइकिल (75वा संस्करण)

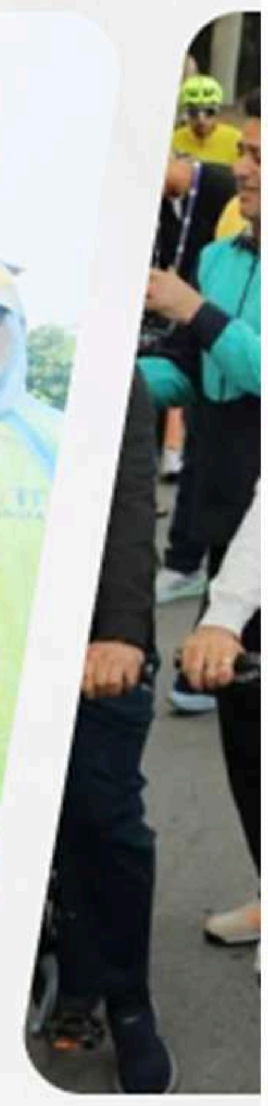

#CWG2030InBharat की भावना का उत्सव मनाने के लिए, **फिट इंडिया मूवमेंट ने माय भारत के सहयोग से 24 मई 2026 को देशभर के 8,000+ स्थानों पर ""संडेज़ ऑन साइकिल"" के 75वें संस्करण** का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था।

माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ.मनसुख मंडाविया ने अभिनेता **आयुष्मान खुराना** के साथ Sabarmati Riverfront पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व किया। वहीं दिल्ली में यह कार्यक्रम प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया।"

युवाओ के विचार

प्रखर दवे

जिला- इंदौर
राज्य- मध्य प्रदेश

माय भारत से जुड़ना मेरी जीवन-यात्रा का एक अत्यंत शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक चरण रहा है। इस मंच ने मुझे रूस में आयोजित **ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन 2024** में भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरवशाली अवसर प्रदान किया। साथ ही, पिछले दो वर्षों के दौरान **विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग** के माध्यम से समृद्ध सहयोग और बौद्धिक सहभागिता का अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी मिला। इसके अतिरिक्त, **विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025** के राष्ट्रीय चरण में भागीदारी ने मुझे राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण संबंध स्थापित करने और अपने नागरिक दृष्टिकोण को और अधिक परिष्कृत करने का अवसर दिया। **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी** के प्रेरणादायी विज़न तथा **माननीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया जी** के निरंतर प्रोत्साहन से प्रेरित होकर, मेरा मानना है कि माय भारत एक ऐसा सशक्त मंच तैयार कर रहा है जो नेतृत्व क्षमता का विकास करता है, सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देता है और युवाओं को प्रगतिशील एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने हेतु युवाओं को प्रेरित करता है।

---- जय हिंद, वंदे मातरम्। ----

युवा क्लब विशेष

वृद्धाश्रमों में युवा सहभागिता - इटावा

युवा-नेतृत्व वाली सामुदायिक सेवा की सच्ची भावना को प्रदर्शित करते हुए, **माय भारत युवती मंडल बसरेहर** और **माँ सती देवी यूथ ब्रिगेड** के **स्वयंसेवकों ने इटावा के वृद्धाश्रम** में पाँच दिवसीय सहभागिता कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में देखभाल, सम्मान और खुशियाँ लाने का कार्य किया। यह कार्यक्रम सुश्री सोनिका चंद्रा, उपनिदेशक, माय भारत इटावा के मार्गदर्शन और श्री गोपेश पांडेय, राज्यनिदेशक,माय भारत उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

युवा क्लबों ने **अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस** और **अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस** के अवसर पर विभिन्न सार्थक गतिविधियों का आयोजन किया, जिससे उत्सव, संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से वृद्धाश्रम में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यादगार पल बनाए गए। साथ ही, उन्होंने **"एक पेड़ माँ के नाम"** वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया और वरिष्ठ नागरिकों को बुनियादी डिजिटल साक्षरता कौशल से भी सशक्त बनाया।

उनके प्रयास **युवा-प्रेरित सामाजिक उत्तरदायित्व** और सार्थक सामुदायिक सहभागिता के एक सशक्त उदाहरण के रूप में उभरकर सामने आए।

जिला युवा अधिकारियो की सक्रिय पहले

श्रीनगर में आयोजित **उत्तर क्षेत्र चिंतन शिविर** के दौरान, **जिला युवा अधिकारियों को उत्तर क्षेत्र में विकसित भारत बजट क्वेस्ट क्विज़ 2026** में सर्वाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान युवाओं की सहभागिता बढ़ाने और अपने-अपने जिलों में जनसंपर्क एवं पहुंच पहलों को सशक्त बनाने में उनके असाधारण प्रयासों को रेखांकित करता

श्री नितिन हैंगलू
जिला युवा अधिकारी ,राजौरी
(वर्तमान में राज्य निदेशक, जम्मू एवं कश्मीर)

यतेन्द्र सिंह
जिला युवा अधिकारी , नई दिल्ली

निकिता सिंह
जिला युवा अधिकारी , पूर्वी दिल्ली

BRICS
INDIA 2026
BUILDING FOR RESILIENCE, INNOVATION, COOPERATION AND SUSTAINABILITY
BRICS YOUTH ENTREPRENEURSHIP
WORKING GROUP MEETING
20 - 21 May 2026 | Indore, Madhya Pradesh, India

MINISTRY OF
CORPORATE
AFFAIRS
Prime Minister

चिंतन शिविर

YOUNG
PROFFESSIONALS
2026

ASMITA
KHELO INDIA
खेल से ही है पहचान
INTERNATIONAL WOMEN'S DAY
CELEBRATION
8th March, 2026

CHINTAN SHIVIR
“Viksit Yuva for Viksit Bharat”

युवा कौशल उन्नयन

इटावा – सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS)

इटावा, उत्तर प्रदेश

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम युवाओं को खाद्य सुरक्षा से संबंधित क्षेत्रीय स्तर का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। प्रतिभागी जमीनी स्तर पर संचालन के माध्यम से संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग नेटवर्क, सार्वजनिक सेवा वितरण तंत्र तथा पारदर्शिता ढांचे का प्रत्यक्ष अवलोकन और समझ विकसित करेंगे।

यहाँ क्लिक करें

वृद्धाश्रम

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल

वृद्धाश्रम ईएलपी युवाओं को वरिष्ठ नागरिकों से जोड़कर उनके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास करता है। प्रतिभागी साथ समय बिताने, कहानियाँ साझा करने तथा योग, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्वास्थ्य जांच जैसी दैनिक सामुदायिक गतिविधियों में सहयोग करने के माध्यम से सहानुभूति और अपनत्व की भावना को बढ़ावा देंगे।

यहाँ क्लिक करें

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) पर ईएलपी

रंगा रेड्डी, तेलंगाना

रंगा रेड्डी, तेलंगाना के 15–29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) पर 30 घंटे का अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ELP)। प्रतिभागी लाभार्थी पंजीकरण, खरीद संचालन, गोदाम प्रबंधन, डिजिटल रिकॉर्ड संधारण तथा उचित मूल्य की दुकानों (Fair Price Shops) के माध्यम से प्रत्यक्ष वितरण प्रक्रिया का अवलोकन और समझ विकसित करेंगे।

यहाँ क्लिक करें

मेरे भारत से जुड़ें
mybharat.gov.in पर जाएं या क्यूआर कोड स्कैन करें।

स्वस्थ युवा, सुरक्षित भारत : नशा मुक्त अभियान की नई दिशा

"जिस जीवन को उत्पन्न करने में हमारे संसार की सारी शक्तियाँ, हमारा विज्ञान, हमारी सभ्यता और हमारी सारी क्षमताएँ असमर्थ हैं, उसी जीवन को छीन लेने में कैसी हृदयहीनता है।" — यह विचार 'शेखर : एक जीवनी' की प्रारम्भिक संवेदना को व्यक्त करता है।

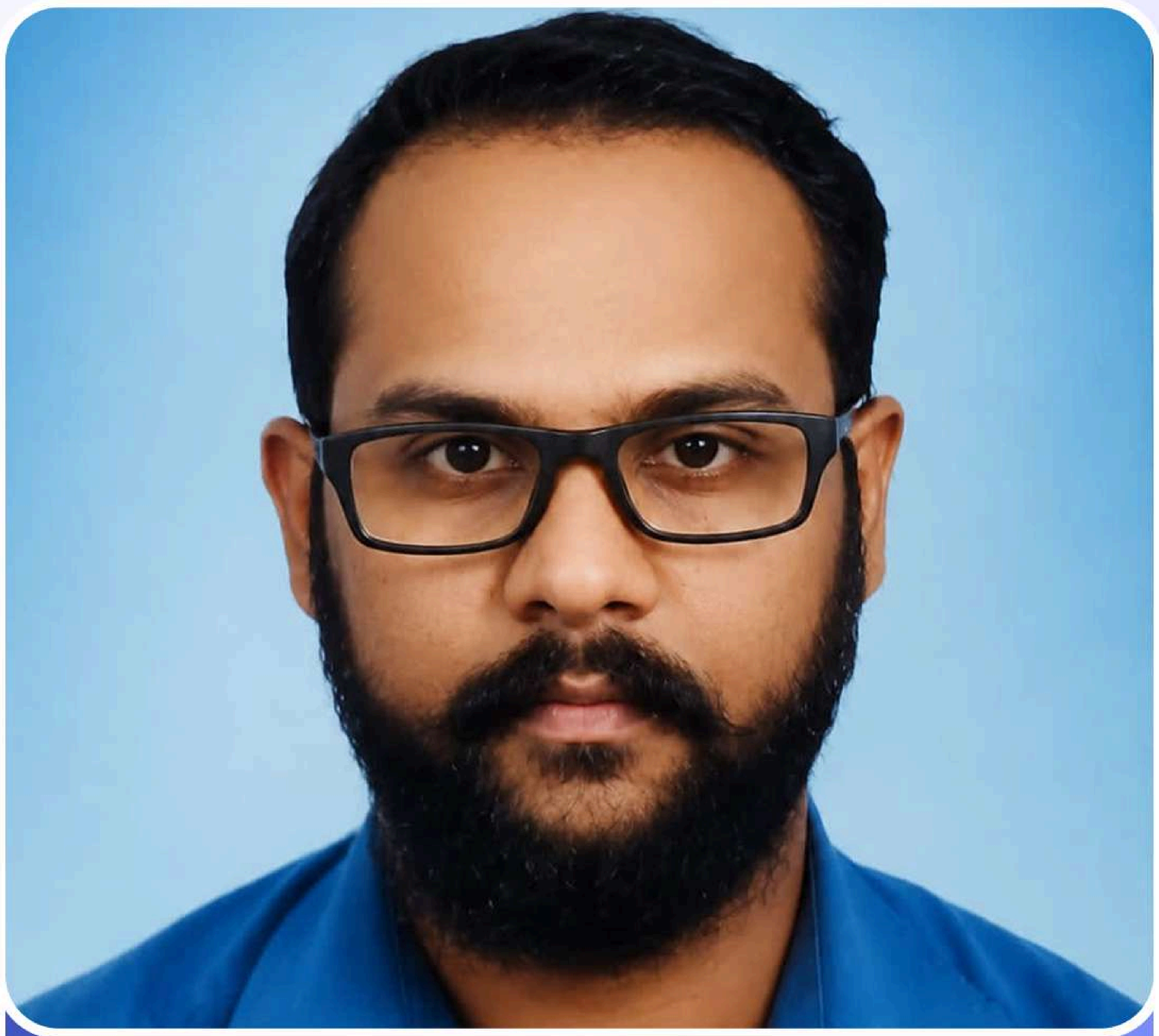

श्री आशुतोष कुमार उपाध्याय
हिंदी शिक्षक एवं माय भारत स्वयंसेवक

मानव जीवन ईश्वर का सबसे अनमोल उपहार है, परन्तु आज के समाज में इस जीवन का मूल्य धीरे-धीरे कम होता दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की ओर बढ़ रही है, वह केवल एक व्यक्ति का पतन नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और सम्पूर्ण मानवता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। किसी भी देश की सबसे बड़ी शक्ति उसके युवा होते हैं। उन्हीं के सपनों, ऊर्जा और परिश्रम से राष्ट्र का भविष्य निर्मित होता है। लेकिन जब यही युवा नशे की गिरफ्त में आने लगते हैं, तब राष्ट्र की प्रगति भी प्रभावित होने लगती है। आज भारत सहित पूरे विश्व में मादक पदार्थों और शराब का बढ़ता उपयोग युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, चरित्र और भविष्य को प्रभावित कर रहा है।

नशे की शुरुआत अक्सर आकर्षक और रंगीन दिखाई देती है। कई बार यह केवल मनोरंजन, फैशन या मित्रों के प्रभाव से शुरू होता है, परन्तु धीरे-धीरे यही आदत विनाश का रूप ले लेती है। व्यक्ति अपनी वास्तविक चेतना, आत्मनियंत्रण और विवेक खोने लगता है। नशे की अवस्था में मनुष्य सही और गलत का अंतर भूल जाता है तथा उसका व्यवहार अनियंत्रित हो जाता है। आज समाज में होने वाली अनेक दुर्घटनाओं, अपराधों, घरेलू हिंसा, मानसिक तनाव और पारिवारिक टूटन के पीछे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नशे का प्रभाव दिखाई देता है। यह केवल व्यक्तिगत समस्या न रहकर सामाजिक संकट बन चुका है।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि विद्यार्थी और युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। गलत संगति, तनाव, जिज्ञासा, सोशल मीडिया का प्रभाव और आधुनिक दिखने की चाह कई युवाओं को इस दिशा में धकेल रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में भी यह स्पष्ट किया गया है कि कैनबिस, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स जैसे मादक पदार्थों का जाल लगातार फैलता जा रहा है। आधुनिक तकनीक, ऑनलाइन नेटवर्क और अवैध तस्करी ने इस समस्या को और अधिक गंभीर बना दिया है। भारत की भौगोलिक स्थिति भी इस चुनौती को कठिन बनाती है, क्योंकि देश ऐसे क्षेत्रों के बीच स्थित है जहाँ से बड़े स्तर पर ड्रग्स की तस्करी होती है।

इन परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार ने NDPS Act, 1985 के माध्यम से मादक पदार्थों की बिक्री, सेवन और तस्करी पर कठोर नियंत्रण स्थापित किया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) लगातार ड्रग तस्करों के विरुद्ध अभियान चला रहा है। साथ ही 15 अगस्त 2020 को "नशा मुक्त भारत अभियान" की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से प्रभावित लोगों को सामान्य जीवन की ओर लौटाने का प्रयास भी किया जा रहा है।

इसी राष्ट्रीय संकल्प को आगे बढ़ाते हुए वाराणसी में मई 2025 में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माय भारत द्वारा "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में देशभर से 120 से अधिक संगठनों और 550 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, जैन, ईसाई तथा आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर सामाजिक एकता और सामूहिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय तथा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) सहित कई मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी रही।

दो दिवसीय सम्मेलन में युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, ड्रग तस्करी, जागरूकता अभियान, पुनर्वास तथा "विजन 2047" जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि तनाव, गलत संगति, जिज्ञासा और सोशल प्रभाव के कारण स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों में नशे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न संगठनों ने विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, योग, खेल, आध्यात्मिक परामर्श, नैतिक शिक्षा तथा गाँव स्तर पर निगरानी समितियों के गठन जैसे सुझाव प्रस्तुत किए। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण "काशी संकल्प" रहा, जिसके माध्यम से वर्ष 2047 तक नशामुक्त और विकसित भारत बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

नशे के विरुद्ध यह लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार, शिक्षक, विद्यालय और समाज — सभी को मिलकर युवाओं का सही मार्गदर्शन करना होगा। बच्चों में अच्छे संस्कार, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। "नशा मुक्त भारत अभियान" केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक भारत के निर्माण का राष्ट्रीय संकल्प है। यदि समाज और सरकार मिलकर निरंतर प्रयास करें, तो निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों को नशे के अंधकार से बचाकर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और संस्कारित भारत का निर्माण किया जा सकता है।